आब्दी को 'प्रोफेसर एजाज हुसैन अवार्ड

संस्था कारवां के समारोह में तकी की किताब 'फैज शेनाफी' का विमोचन

इलाहाबाद (ब्यूरो)। संस्था कारवां की ओर से रविवार को उर्दू के मशहूर अदीब और कनाडा में रह रहे डॉ.सैयद तकी आब्दी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए वर्ष 2012 के 'प्रोफेसर एजाज हुसैन अवार्ड' से नवाजा गया। इसके तहत उन्हें शाल ओढ़ाने के बाद प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। समारोह में आब्दी की किताब 'फैज शेनाफी' का विमोचन भी किया गया। बाद में डॉ.आब्दी ने कारवां का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, अवार्ड से मेरी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। इसी तरह उन्होंने कहा, फैज महबूबियत नहीं आम आदमी के शायर हैं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष और ख्वाजा मुईनुद्दीन

चिश्ती उर्दू राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अनीस अंसारी ने कहा, डॉ. आब्दी इस अवार्ड के असल हकदार हैं। उर्दू में नजीर अकबराबादी के अतिरिक्त कबीर, मीरा, जायसी को भी उर्दू का शायर मानते हुए उन पर काम किए जाने की जरूरत है। वस्तुतः अंतरभाषायी तुलानात्मक अध्ययन से ही हिन्दुस्तान की साझा संस्कृति के बारे में पता चल सकेगा।

सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित समारोह में अतिथियों का स्वागत, प्रोफेसर एजाज हुसैन से कारवां के जुड़ाव तथा संचालन सचिव डॉ.फाजिल हाशमी जबकि धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष सिब्ते असगर ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर अकील रिजवी, प्रोफेसर जाफर रजा, प्रोफेसर नौशाबा सरदार, प्रोफेसर अली अहमद फातिमी, प्रोफेसर शाहीना रिजवी, प्रोफेसर सालेहा रशीद, कमरुल हसन सिद्दीकी, प्रोफेसर एसएन वर्मा, डॉ.अबुल कासिम, डॉ.अली हैदर, डॉ.नगमा परवीन, डॉ.निशात, डॉ.फ़खरुल करीम आदि मौजूद थे।

الہ آباد میں خواجہ اجمیری یونی ورسٹی کے وائس چانسلر
انیس انصاری نے ڈاکٹر تقی عابدی کی فیض شناسی کی
رونمائی کی - ڈاکٹر عابدی نے فیض کے فن پر توضیحی لکچر دیا۔